जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

16 मई 2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया का दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र वीडियो व्याख्यान और सामग्री को अपलोड करने के लिए यूट्यूब चैनल को लॉन्च करेगा। जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कुलपति ने दूरस्थ एवं ऑनलाइन अधिगम केंद्र का दौरा किया।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) का दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र अपने संकाय सदस्यों द्वारा बनाए गए वीडियो व्याख्यान और सामग्री को अपलोड करने के लिए अपना आधिकारिक यूट्यूब चैनल लॉन्च करने की योजना बना रहा है। जामिया के माननीय कार्यवाहक कुलपति, प्रो इकबाल हुसैन और कार्यवाहक कुलसचिव श्री मोहम्मद हदीस लारी ने उक्त केंद्र के सम्मेलन कक्ष में शिक्षण कर्मचारियों के साथ बातचीत करने के लिए 15 मई 2024 को दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र का दौरा किया।

कुलपति ने दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के मानद निदेशक प्रो जसीम अहमद और केंद्र के स्टाफ सदस्यों के साथ सीडीओई जेएमआई के आधिकारिक यूट्यूब चैनल को लॉन्च करने सहित कई चीजों के बारे में चर्चा की।
इससे पूर्व दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के मानद निदेशक प्रो जसीम अहमद और केंद्र के स्टाफ सदस्यों ने कुलपति का पूरे उत्साह के साथ स्वागत किया।

प्रो जसीम अहमद ने 2002 में केंद्र की स्थापना से लेकर अब तक की पूरी यात्रा को सुंदर ढंग से प्रस्तुत किया। उन्होंने इंडक्शन मीटिंग, पाठ्यक्रम आदान- प्रदान , परामर्श सत्र, छात्रों की शिकायतों, कार्यशालाओं, परीक्षा आदि से संबंधित अन्य विवरणों सहित दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा पेश किए गए कार्यक्रमों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने चुनौतियों और उनका सामना करने के उपायों पर भी प्रकाश डाला। उनके प्रस्तुतिकरण में केंद्र में वर्तमान नामांकन के बारे में जानकारी शामिल थी, जो सभी पीजी, यूजी, डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्सों को मिलाकर 17157 है। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण ऑनलाइन सत्र सुनिश्चित करने हेतु अधिक गूगल स्पेस खरीदने के बारे में भी जानकारी दी । उन्होंने छात्रों के कौशल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जो उन्हें रोजगार योग्य बनाने में सहायक हो सकता है और काम को सुचारू बनाने तथा गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु केंद्र की नवगठित विभिन्न समितियों के बारे में जानकारी दी।

कुलपति ने अपने सम्बोधन में नई शिक्षा नीति 2020 के आलोक में दूरस्थ शिक्षा और ऑनलाइन शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने मुख्य रूप से एनईपी-2020 की दो प्रमुख विशेषताएं बताईं; छात्रों के कौशल को बढ़ाने के लिए विश्वविद्यालय-उद्योग सहयोग और दूसरी बात शिक्षा की पहुंच जिसके बारे में उन्होंने कहा, "शिक्षा सभी के लिए सुलभ होनी चाहिए।" इस संबंध में दूरस्थ और ऑनलाइन माध्यम शिक्षा का महत्व है, जो किसी भी दूसरे माध्यम से अद्वितीय है, क्योंकि यह प्रौद्योगिकी की मदद से वंचितों तक पहुंचने की कोशिश करता है। उन्होंने एनईपी-2020 के संदर्भ में इस बात पर भी प्रकाश डाला कि 40% पाठ्यक्रम ऑनलाइन माध्यम से प्रदान किए जाने की आवश्यकता है। उपरोक्त संदर्भ के अंतर्गत माननीय कुलपति ने जामिया के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के महत्व को रेखांकित किया।

दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र के डॉ. दयाल संधू के औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया